

खबर संक्षेप

खाया पदार्थों की कीमत नियंत्रित करेगी सरकार



नई दिल्ली। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र ने खाया पदार्थों की खुदरा दुकानें नियंत्रित करने के लिए पिछले कई साल में कई सक्रिय कदम उठाए हैं। सरकार देश की आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करते हुए मुद्रासंकेत की नियंत्रण में रखेंगे। वह यहां राष्ट्रीय उपचार दिवस पर मंत्रालय द्वारा अधियोगित एक कार्यवाही को संवेदित कर रहे थे।

सॉफ्टबैंक ने फर्ट्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे



नई दिल्ली। विभिन्न कारोबारों से जुड़े जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुदरा दुकानें चलानी वाली फर्ट्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयर बेचे हैं। यह शेयर ऐसे समय बेचे गये हैं, जब कंपनी इस सत्रावं आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण के लिए विवरण जारी करने वाली है। फर्ट्टक्राई में 630 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे हैं।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश



नई दिल्ली। एफपीआई ने राजनीतिक स्थिता की संभावनाओं को देखते हुए इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 57,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इसके पीछे भारत की आर्थिक वृद्धि में जगदीशी दृश्यमान वालों और अर्थव्यवस्था के बढ़ते रुप से अधिक लगातार गिरावट होने की भी अहम भूमिका रही है।

बाजार पूँजीकरण में रिलायंस सबसे आगे



नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में जारी उत्तर-चाहूव के बीच बांटे सत्रावं देश की 10 सबसे मूल्यावान कंपनियों में से तीन का संयुक्त बाजार मूल्यावान 70,312.7 करोड़ रुपये बढ़ गया। यह जिम्मेदारी देश के अलावा एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान नियन्त्रित लाभ की स्थिति में रही।

रिलायंस व डिजनी ने मिलाया हाथ, देश की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी लेगी जग्ज

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

देश के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी ने एंटरटेनमेंट जात का सबसे बड़ा सौदा की खुदरा दुकानें की नियंत्रित करने के लिए पिछले कई साल में कई सक्रिय कदम उठाए हैं। सरकार देश की आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करते हुए मुद्रासंकेत की नियंत्रण में रखेंगे। वह यहां राष्ट्रीय उपचार दिवस पर मंत्रालय द्वारा अधियोगित एक कार्यवाही को संवेदित कर रहे थे।

सॉफ्टबैंक ने फर्ट्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे

नई दिल्ली। विभिन्न कारोबारों से जुड़े जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुदरा दुकानें चलानी वाली फर्ट्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयर बेचे हैं। यह शेयर ऐसे समय बेचे गये हैं, जब कंपनी इस

सत्रावं आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण के लिए विवरण जारी करने वाली है। फर्ट्टक्राई में 630 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे हैं।

सरकार ने अपनी निजीकरण की कार्यवाई लगभग एक दी

आम चुनाव से पहले विनिवेश हुआ धीमा, वर्ष 2023-24 का लक्ष्य फिर चूकने की आशंका

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव नजदीक आने के साथ ही सरकार ने अपनी निजीकरण की कार्यवाई लगभग योगदान दी है और अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है। कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के अरोपीों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है।

हालांकि, इसके पीछे परिणामस्वरूप चालू वितर वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से पहले चूकने की आशंका है। भारत पेट्रोलियम कंपनोंसे रेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), शिर्पिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एप्सीआई) और कॉन्कार्न जैसी बड़ी निजीकरण योजाएँ पहले से ही ठंडे बरसे में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिकरण आपेक्षित करने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद इंडिया एप्सीआई और कॉन्कार्न जैसी बड़ी नियन्त्रित करने के बाद सीधे ही सकता है।

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये एफपीआई (आर्थिक सार्वजनिक नियंत्रण) और आ॒एफएस (बीपीएस) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के आपेक्षित कारोबार होने के बाद सीधे ही सकता है।

एफपीआई ने इस नाह किया 57300 करोड़ का निवेश

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

आम चुनाव के लिए विवरण लक्ष्य में करोड़ 20 प्रतिशत यानी 10,049 क

एआई के नए मॉडल ने
इंसान के जीवनकाल
का लगाया पता

नई दिल्ली (भाषा)।

अनुसंधानकर्ताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता

(एआई) पर आधारित पेस्स उपकरण

विकसित किया है जो स्वास्थ्य

संबंधी जानकारी, शिक्षा, नौकरी

और आय जैसी जीवन की

घटनाओं के अनुक्रमों के

आधार पर किसी व्यक्ति के

व्यक्तिगत समेत उपकरण

जीवनकाल से जुड़े कई

अनुमान लगाने में सक्षम है।

अनुसंधानकर्ताओं ने बताया

कि 'ट्रांसफॉर्म मॉडल' का

उपयोग करके बाहर नए गण

'लाइफ्सैइंसी' नामक उपकरण

को डेवाल की आवादी के डेटा के

आधार पर जीवन की जाता है।

'लाइफ्सैइंसी' नाम्यों के जीवनकाल

समेत कई सटीक अनुमान लगाने में सक्षम

है। अमेरिका स्थित 'नॉर्थर्स्टन यनिवरिटी'

की प्रोफेसर टीना एलियासी-रेड ने कहा,

'भले ही हम यह पता लगाने के लिए

भविष्यवाणी का उपयोग कर रहे हैं

कि ये मॉडल कितने अच्छे एवं

सटीक हैं, लेकिन वास्तविक

लोगों के बारे में भविष्यवाणी

करने के लिए इस उपकरण का

उपयोग जरूरी किया जाना चाहिए।

यह एक विशिष्ट आवादी के

विशिष्ट डेटा सेट पर आधारित

भविष्यवाणी करने वाला मॉडल है।'



कहां से आया सफेद दाढ़ी वाला बच्चों का चहेता सांता

जाना जाता था, सप्राट
कॉन्सटेन्ट डे ग्रेट के
शासनकाल के दौरान रहते
थे। उक्ता जन्म एशिया
मानवता दी गई, तो उन्हें बच्चों के संस्कृक
और रक्षक के रूप में प्रसिद्ध किया गया।

सांता क्लॉज़ में परिवर्तन
सेट निकोलस का सांता क्लॉज़ में
रूपांतरण सांस्कृतिक और धार्मिक
बदलावों से प्रभावित प्रक्रिया थी। 17वीं
शताब्दी के दौरान जर्मनी और नीदरलैंड में
सेट निकोलस के नाम पर उत्तरांग देने की
प्रथा ने जड़ें जमाने शुरू कर दीं। डॉले ने
उन्हें 'सिटरकलास' कहा, एक शब्द
जो अंततः अंग्रेजी बोलचाल में
'सांता क्लॉज़' में विकसित
हुआ। यह परिवर्तन
सबसे पहले जर्मनी में
हुआ और बाद में
अन्य यूरोपीय देशों
में फैल गया।

19वीं शताब्दी तक,
दुनिया भर में
अंग्रेजी भाषी
सुन्दरीयों में सेट
निकोलस की विवरित
लादकर शहर की सड़कों से
गुजरता था।

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की
पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स
में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में
उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित
किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

पहला साहित्यिक उल्लंघन

वाशिंगटन इरावांग की 1809 की

पुस्तक, निकर्वॉक्ट हिसाईर्स

में था, जिसमें निकोलस को एक बैन में

उड़ाते हुए, बच्चों को उपरांग देते हुए चित्रित

किया गया है। लाल सांत सूक्त और सभी
संवर्धन का पथ जरूरतमंदों की मदद के
लिए करने का सेट निकोलस के नाम से

